92 सैनिकों की मौत हो गई है अफ्रीकी देश चाड में आतंकी संगठन बोको हराम के हमले में। आतंकियों ने बीते सोमवार को देश के दलदली क्षेत्र लेक चाड स्थित एक सैन्य ठिकाने को अपना निशाना बनाया था।

वुहान में दो महीने बाद शुरू हुई बस सेवा

बीजिंग, प्रेट्र : कोरोना वायरस के केंद्र मध्य चीन के हुबेई प्रांत के वुहान शहर में जिंदगी पटरी पर लौटने लगी है। शहर में दो महीने बाद बुधवार से बस सेवा बहाल कर दी गई। वुहान को छोड़ हुबेई के अन्य हिस्सों में लॉकडाउन खत्म होने पर लोग ट्रेन और बस पकड़कर प्रांत से बाहर भाग रहे हैं। रेलवे स्टेशनों पर लोगों की लंबी कतारें लगी हैं। गत दिसंबर में वुहान से ही पूरे चीन और दुनिया में कोरोना वायरस फैला। इस पर अंकुश लगाने के लिए चीन ने गत 23 जनवरी को वुहान समेत छह करोड़ की आबादी वाले हुबेई प्रांत को लॉकडाउन कर दिया था।

चीन ने बीते मंगलवार को वुहान को छोड़ हुबेई में लॉकडाउन खत्म कर दिया था। आठ अप्रैल से 1.1 करोड़ आबादी वाले वुहान से भी प्रतिबंध हटा दिए जाएंगे। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी के अनुसार, वुहान में बुधवार सुबह साढ़े पांच बजे पहली बस हैंकाउ रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। शहर में अभी 117 रूट पर बस सेवा बहाल की गई है। यह शहर की कुल बस परिवहन क्षमता का 30 फीसद है। इस बीच, हुबेई के अन्य हिस्सों से तमाम पाबंदियां हटने के बाद लोगों में प्रांत छोड़ने की हड़बड़ी दिखी। चीन में कोरोना संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले इसी प्रांत में सामने आए थे।

कोरोना वायरस का प्रमुख केंद्र रहे वुहान में आवागमन बढ़ने के दावे किए जा रहे हैं। शिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने तस्वीर जारी की है, जिसमें राजमार्ग पर स्थित टोल पर वाहनों की कतारें दिखाई दे रही हैं। एपी

संक्रमण का कोई नया मामला नहीं, चार की मौत

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बुधवार को बताया कि हुबेई में संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया है। लेकिन वुहान में चार और पीड़ितों की मौत होने से चीन में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3281 हो गई है। देश में 47 नए मामलों की पुष्टि हुई है, लेकिन ये सभी विदेश से आए लोग हैं। ऐसे मामलों की संख्या बढ़कर 474 हो गई है।

शुरू में डॉक्टरों को नहीं दी गई मास्क पहनने की अनुमति

बीजिंग, प्रेट्र : चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि वुहान में कुछ अस्पतालों ने कोरोना वायरस के संक्रमण के शुरुआती दौर में स्थानीय लोगों के बीच दहशत फैलने से रोकने के लिए डॉक्टरों को मास्क पहनने से रोका था। मध्य चीन के हुबेई प्रांत में स्टेटिस्टिक्स ब्यूरो के उप निदेशक ये किंग पिछले लगातार 60 दिन से वुहान की कहानियां दर्ज कर रहे हैं। वुहान कोरोना वायरस के संक्रमण से बुरी तरह प्रभावित था और 23 जनवरी से शहर लॉकडाउन था। ये किंग ने सरकारी समाचारपत्र ग्लोबल टाइम्स से कहा, 'संक्रमण फैलने के शुरुआती दौर में कुछ अस्पतालों के अधिकारियों ने डॉक्टरों को मास्क पहनने की अनुमति नहीं दी ताकि लोगों के बीच दहशत नहीं फैले, लेकिन दूसरे अस्पतालों ने हालात को बेहतर तरीके से संभाला।' यह पिछले साल दिसंबर से वुहान में कोविड-19 के मामले शुरू होने के बाद किसी अधिकारी का इस तरह का पहला बयान है।

घर लौटने को 20 हजार डॉलर तक का विमान किराया चुका रहे चीन के छात्र

- अमेरिका में कोरोना का प्रकोप बढ़ने से चीनी छात्रों में दहशत
- धनाढ्य परिवार के बच्चों को घर भिजवाने के लिए एजेंट सक्रिय

बीजिंग, रायटर : अमेरिका में कोरोना वायरस का प्रकोप फैलने के बाद वहां पढ़ाई कर रहे चीन के छात्रों में काफी दहशत है। सबको घर लौटने की हड़बड़ी है। जल्द से जल्द घर पहुंचने के लिए प्राइवेट जेट में सीट हासिल करने के लिए संपन्न घरों के छात्र 20 हजार डालर तक का भुगतान कर रहे हैं।

अमेरिका समेत दुनिया के अनेक देशों में लाकडाउन के कारण जब कामर्शियल उड़ानें बंद हो चुकी हैं तब प्राइवेट जेट ही उम्मीद की आखिरी किरण हैं। ये प्राइवेट जेट कुछ स्टाप लेकर साठ घंटे में अमेरिका से चीन का सफर पूरा कर पा रहे हैं।

शंघाई के एक वकील जेफ गांग ने बताया कि विस्कांसिन में पढ़ाई कर रही अपनी बेटी से जब मैंने पूछा कि उसे जेब खर्च के लिए 1,80,000 (25,460 डालर) युयान चाहिये या घर आने के लिए प्राइवेट जेट का टिकट तो उसने टिकट को प्राथमिकता दी।

अमेरिका में इस समय कोरोना संक्रमितों की संख्या पचास हजार के पार हो हो गई है। जबकि चीन, जहां से यह बीमारी दुनिया भर में फैली है, नये मामले आने बंद हो गये हैं। ऐसे में चीनी छात्र किसी तरह घर पहुंचना चाहते हैं। लेकिन कामर्शियल उड़ानों पर रोक और कटौती उन्हें मुसीबत में डाल दिया है। हवाई आंकड़े उपलब्ध कराना वाली एजेंसी वारी फ्लाइट के अनुसार मंगलवार को चीन से आने-जाने वाली 3800 कामर्शियल उड़ानों में 3102 उड़ानें रद रहीं। इस कारण हवाई टिकटों की मांग बहुत बढ़ गई है।

दुनिया भर में चार्टर्ड फ्लाइट संचालित करने वाली कंपनी प्राइवेट फ्लाई की कामर्शियल डारेक्टर एनेलिस गार्शिया ने बताया कि कई धनाढ्य चीनी परिवारों की ओर एजेंट प्राइवेट जेट विमान कंपनियों से संपर्क साध रहे हैं जो समूहों में छात्रों को स्वदेश ले जा सकें।

बीजिंग से सभी कामर्शियल उड़ानों पर रोक लगाये जाने के बाद माना जाना रहा है कि शंघाई से भी अतंरराष्ट्रीय उड़ानों पर जल्द रोक लग जायेगी। हांगकांग और मकाऊ ने ट्रांजिट उड़ानों पर पहले ही रोक लगा रखी है। ऐसी सूरत में लास एंजलिस से शंघाई तक 14 सीट वाला बंबार्डियर-6000 विमान सवा 325300 डालर में किराया ले रहा है। इस हिसाब से प्रति व्यक्ति किराया करीब 23000 पड़ रहा है। एक अन्य कंपनी एयर चार्टर के पीआर और एडवरटाइजिंग मैनेजर ग्लेन फिलिप्स ने बताया कि हाल के दिनों में उन्होंने चीन के नागरिकों के लिए अमेरिका के न्यूयार्क व बोस्टन शहर से शंघाई, सैन जोस से हांगकांग लास एंजलिस से ग्वांगझू के बीच चार्टर्ड फ्लाइट का प्रबंध किया।

न्यूज गैलरी

पाकिस्तान में संक्रमितों की संख्या एक हजार

इस्लामाबाद : पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बुधवार को एक हजार हो गई। देश में अब तक एक डॉक्टर समेत सात लोगों की मौत हो चुकी है। सबसे ज्यादा संक्रमित सिंध प्रांत में हैं। यहां अब तक 413 मामले सामने आ चुके हैं। सिंध की सरकार ने सूबे में लॉकडाउन लागू कर दिया है। लेकिन प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूरे देश में लॉकडाउन घोषित करने से इन्कार कर दिया है। उन्होंने लोगों से अपने घरों में ही रहने की अपील जरूर की है। सिंध के बाद सबसे ज्यादा मामले बलूचिस्तान में आ रहे हैं। इस प्रांत में ईरान से लगती तफ्तान सीमा पर बने कैंप में पांच नए मामले सामने आए हैं। इस तरह वहां संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 115 हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी इस्लामाबाद में भी 16 लोग संक्रमित हैं। सरकार ने संक्रमण रोकने के लिए 26 मार्च से सभी घरेलू उड़ानों पर प्रतिबंध लगा दिया है। **इस बीच, इमरान खान ने कहा है कि कोरोना वायरस का कोई भी मामला चीन से देश में नहीं आया है।** (एएनआइ)

160 साल में तीसरी बार बंद हुआ वेटिकन का अखबार

वेटिकन सिटी : पोप मुख्यालय वेटिकन के अखबार एलओजेरवैटोर रोमानो की छपाई बुधवार को अस्थाई रूप से बंद कर दी गई। 160 साल के इतिहास में इस अखबार की प्रिंटिंग तीसरी बार बंद हुई है। अखबार के संपादक एंड्रिया मोंडा ने बताया कि ऑनलाइन संस्करण पहले की तरह आगे भी जारी रहेगा। इस अखबार में मुख्य रूप से अंतरराष्ट्रीय मुद्दों समेत कई विषयों पर रोमन कैथोलिक चर्च के विचारों को प्रकाशित किया जाता रहा है। इससे पहले अखबार की प्रिंटिंग श्रमिक आंदोलन के चलते सौ साल पहले 1919 में बंद करनी पड़ी थी। 20 सितंबर, 1870 को पहली बार इसे तब बंद किया गया था, जब पैपल स्टेट्स पर से चर्च के शासन का अंत हुआ था। 1861 में शुरू हुए इस अखबार की वर्तमान में करीब पांच हजार प्रतियां प्रकाशित होती हैं। (रायटर)

सूडान के रक्षा मंत्री की हार्ट अटैक से मौत

खारतूम : अफ्रीकी देश सूडान के रक्षा मंत्री जमालेलदिन उमर की बुधवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब वह साउथ सूडान की राजधानी जुबा में विद्रोही गुटों के साथ शांति वार्ता कर रहे थे। वह सूडान की सत्तारूढ़ सैन्य परिषद के सदस्य भी थे। सूडान में पिछले साल बशीर सरकार के तख्तापलट के बाद सैन्य परिषद ने शासन की बागडोर अपने हाथ में ली थी। अशांत सूडान में उमर पहले भी कई शांति वार्ताओं में अहम भूमिका निभा चुके थे। (रायटर)

स्पेन में चीन से ज्यादा मौतें

कोरोना का प्रकोप ▶ पिछले 24 घंटे में गई 738 लोगों की जान

पिछले 11 दिनों से जारी है पूरे देश में लॉकडाउन

मैड्रिड, एजेंसियां : कोरोना की महामारी के चलते पिछले चौबीस घंटे में स्पेन में 738 लोगों की मौत हुई है। इस तरह स्पेन में मृतकों की संख्या 3,434 हो गई है। चीन में यह आंकड़ा फिलहाल 3,281 है। अब तक इटली में सबसे ज्यादा 6820 मौतें हुई हैं जबकि 69,176 लोग संक्रमित हैं। स्पेन का यह हाल तब है जब वहां पर पिछले 11 दिनों से लॉकडाउन है। देश में संक्रमितों की संख्या 47,610 हो गई है। पूरे विश्व में मृतकों की संख्या की बात करें तो यह आंकड़ा 19,751 पर पहुंच गया है। संक्रमित व्यक्तियों की संख्या 4,40,318 हो गई है।

महामारी से सबसे ज्यादा स्पेन की राजधानी मैड्रिड प्रभावित है। वहां पर संक्रमित लोगों की संख्या 14,957 है। यह कुल संक्रमित व्यक्तियों की संख्या का एक तिहाई है। मैड्रिड में होने वाली मौतों की बात करें तो अभी तक 1,825 लोगों की जान जा चुकी है। यह देश में हुई कुल मौतों का 53 फीसद है। कोरोना के टेस्ट में तेजी आने के बाद संक्रमित लोगों की संख्या अकेले मंगलवार को 20 फीसद का उछाल देखा गया। जबकि इसी अवधि में मृतकों की संख्या में 27 फीसद की वृद्धि देखी गई। इमरजेंसी कोआर्डिनेटर फर्नाडो साइमन ने कहा कि हम महामारी से होने वाले प्रभावों के शिखर पर पहुंच रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि यह जल्द ही स्पष्ट हो जाएगा कि लॉकडाउन का महामारी से लड़ने में कितना फायदा हो रहा है। रोगियों के मुकाबले स्पेन में अस्पतालों की कमी भी देखी जा रही है। इससे निपटने के लिए सेना ने मैड्रिड एक्जीबिशन सेंटर में बड़ा फील्ड हॉस्पिटल बनाया है। इस हॉस्पिटल में 1,500 बेड हैं, जिसे 5,500 बेड तक बढ़ाया जा सकता है।

फ्रांस में 240 और लोगों की मौत : राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन का दूसरा सप्ताह शुरू होने के बाद फ्रांस में एक दिन में 240 और लोगों की मौत हुई है। वहां मृतकों की संख्या 11,00 हो गई है। 2,444 और लोग संक्रमित हैं। संक्रमित लोगों की संख्या 22,300 हो गई है। फ्रांसीसी स्वास्थ्य विभाग के महानिदेशक जेरोम सोलोमन ने कहा कि संक्रमित लोगों में 10,176 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। अस्पताल में भर्ती 2,516 लोग आइसीयू में है। अब तक 3281 मरीज ठीक होकर घर जा चुके हैं। मरने वालों में 85 फीसद की उम्र 70 साल से अधिक थी।

अमेरिकी पोत के तीन जवानों का टेस्ट पॉजिटिव : अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस थियोडोर रूजवेल्ट में सवार तीन जवानों का कोरोनावायरस का टेस्ट पॉजिटिव आया है। संक्रमित जवानों के साथ ही उन लोगों को भी आइसोलेशन में भेज दिया गया है, जो जो इनके संपर्क में थे। किसी अमेरिकी पोत में इस तरह का यह पहला मामला है। पोत में 5000 से अधिक जवान और कर्मचारी तैनात हैं। पोत ने 15 दिन पहले वियतनाम के एक बंदरगाह पर लंगर डाला था।

दो लाख करोड़ के राहत पैकेज पर सीनेट और व्हाइट हाउस सहमत : अमेरिकी अर्थव्यव्था को पटरी पर लाने के लिए दो लाख करोड़ के राहत पैकेज पर सीनेट और व्हाइट हाउस सहमत हो गए हैं। अंतिम मंजूरी के लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को भेजने से पहले सीनेट और अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा को इसे मंजूरी प्रदान करनी होगी। ट्रंप ने एक प्रेस कांफ्रेंस में अमेरिकियों से सोशल डिस्टेंसिंग की प्रक्रिया अपनाने को कहा।

ब्रिटेन ने फंसे विदेशियों के लिए वीजा की अवधि बढ़ाई : ब्रिटेन की भारतीय मूल की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कोरोना वायरस के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों के कारण ब्रिटेन में फंसे भारत सहित कई देशों के नागरिकों के लिए वीजा की अवधि करीब दो महीने बढ़ाने का आदेश जारी किया है। यह घोषणा एक दिन पहले मंगलवार को की गई। इस घोषणा से उन पर्यटकों, पेशेवरों और छात्रों सहित भारतीय नागरिकों को राहत मिली है जिनकी वीजा अवधि समाप्त हो रही है या समाप्त हो चुकी है।

- नेपाल में वायरस संक्रमित तीसरा मरीज सामने आया है
- न्यूजीलैंड में आपातकाल लागू किया गया

देश	मौत	संक्रमित
इटली	6820	69,176
स्पेन	3434	47,610
चीन	3281	81,218
ईरान	2077	27,017
फ्रांस	1100	22,300
अमेरिका	785	55,081

स्पेन की राजधानी मैड्रिड में एक कोरोना वायरस संक्रमित महिला को एक होटल में स्थानांतरित करते चिकित्सकर्मी। होटल को अस्थाई अस्पताल में बदल दिया गया है। एपी

यूरोपीय संघ के संस्थानों ने स्पेन के साथ एकजुटता दिखाई

स्पेन में महामारी से निपटने के लिए यूरोपीय संघ के विभिन्न संस्थानों ने बुधवार को एकजुटता प्रदर्शित की। यूरोपियन आयोग के अध्यक्ष उर्सुला वॉन डर लेयन ने अपने आधिकारिक ट्विटर अकाउंट पर एक वीडियो संदेश में कहा, 'आपकी मदद के लिए हम अथक प्रयास कर रहे हैं। आप अकेले नहीं हैं।' यूरोपीय संघ के देशों के बीच समन्वय बनाने वाले यूरोपीय परिषद के प्रमुख चार्ल्स मिशेल ने स्पेन को भेजे एक पत्र में कहा, 'यूरोप पूरी एकजुटता से आपके साथ खड़ा है। हम आपकी मदद के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।' यूरोपीय संसद के अध्यक्ष डेविड ससोली ने स्पेन के नागरिकों को किए गए ट्वीट में कहा, 'आप जिस तरह की कठिनाइयों और समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनके साथ हमारी पूरी सहानुभूति है।'

खालिदा जिया सशर्त रिहा

बांग्लादेश ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री और मुख्य विपक्षी नेता खालिदा जिया को छह महीने के लिए रिहा कर दिया। हालांकि, उन्हें इस शर्त पर रिहा किया गया है कि वह देश में महामारी के प्रकोप घर पर ही रहेंगी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की प्रमुख 74 वर्षीय हसीना को आठ फरवरी 2018 को भ्रष्टाचार के दो मामलों में 17 साल जेल की सजा सुनाई गई थी। काले रंग की साड़ी में नकाब पहने खालिदा व्हीलचेयर पर जेल से बाहर आईं।

टोक्यो में 40 नए मामले सामने आए

बुधवार को टोक्यो में संक्रमण के 40 नए मामले सामने आए। यह एक दिन में संक्रमित लोगों की सबसे ज्यादा संख्या है। जापान में संक्रमित लोगों की संख्या 1271 है जबकि मृतकों की संख्या 44 है। यह आंकड़ा शिप में हुई 10 मौतों और 712 संक्रमित मामलों से अलग है। टोक्यो की गवर्नर ने लोगों से सिर्फ जरूरी काम के लिए घर से बाहर निकलने को कहा है। उन्होंने कहा कि अगर जनता इस पर अमल करती है तो लॉकडाउन नहीं किया जाएगा।

ईरान में मृतकों की संख्या 2077 हुई

ईरान के राष्ट्रपति हसन रूहानी ने देश में नए साल पर होने वाले सभी कार्यक्रमों पर प्रतिबंध लगा दिया है। पिछले चौबीस घंटे वहां 143 और लोगों की मौत हुई है। मरने वालों की संख्या 2077 हो गया है। संक्रमित लोगों की संख्या 27,017 हो गई है।

काबुल के भारतीय मिशन पर हमले की थी योजना

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आइएस ने ली जिम्मेदारी लेकिन शक पाक समर्थित हक्कानी नेटवर्क पर
- भारत ने की निंदा, मारे गए लोगों व घायलों के प्रति जताई संवेदना

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित धर्मशाला गुरुद्वारे पर बुधवार को हुए जबरदस्त आतंकी हमले की जिम्मेदारी भले ही आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) ने ली है, लेकिन भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को पाकिस्तान के समर्थन से चलने वाले आतंकी संगठन हक्कानी नेटवर्क पर शक है। भारतीय एजेंसियों को पहले से इस बारे में सूचना थी कि काबुल स्थित भारतीय दूतावास से जुडे कार्यालयों पर हमला करने की कोशिश हो सकती है।

हक्कानी नेटवर्क अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन है। इसे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ ने उसी तरह से पाला-पोसा है जिस तरह उसने जैश-ए-मुहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों को तैयार किया है। भारत सरकार ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। भारत ने इसे कायरतापूर्ण हमला करार दिया है और हमले में मारे गए लोगों व घायलों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक भारत अफगानिस्तान स्थित हिंदुओं व सिखों की हरसंभव मदद करेगा। भारत ने कहा है कि जब पूरी दुनिया में कोरोना वायरस महामारी का संकट फैल रहा है तब अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर इस तरह का कायराना हमला बताता है कि इसे अंजाम देने वाले और उन्हें मदद करने वाले कितने शैतानी प्रवृति के हैं। भारत ने हमलावरों से लोहा लेने वाली अफगानी सुरक्षा एजेंसियों के कर्मियों की तारीफ की है जो बहादुरी से अफगानिस्तान और वहां के लोगों की सुरक्षा कर रहे हैं। भारत ने एक बार फिर अफगानिस्तान की सरकार के प्रति भरोसा जताया है जो वहां शांति और स्थायित्व कायम करने के लिए लगातार प्रत्यनशील है।

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में स्थित गुरुद्वारे पर बुधवार को हुए आत्मघाती हमले में अपने परिजनों को खोने पर विलाप करती सिख महिला। रायटर

मैं मारे गए सभी लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।
– नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

काबुल में सिख गुरुद्वारे पर आतंकी हमला बेहद निंदनीय है। मानवता के खिलाफ इस घृणित अपराध में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति मैं हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं। मैं घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना भी करता हूं।
– राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

अफगानिस्तान में 1980 में थे पांच लाख सिख

प्रथम पृष्ठ से आगे

अफगानिस्तान में अब करीब 300 सिख परिवार रहते हैं। इनकी संख्या काबुल और जलालाबाद में ज्यादा है। इन्हीं दो शहरों में गुरुद्वारे भी हैं। 1980 में देश में करीब पांच लाख सिख थे। लेकिन गृहयुद्ध और तालिबान के मजबूत होने के साथ ही ज्यादातर सिख परिवार भागकर भारत आ गए।

सिखों और हिंदुओं के धार्मिक स्थलों पर होते रहते हैं हमले : अफगानिस्तान में अल्पसंख्यक सिखों और हिंदुओं के धार्मिक स्थलों पर आए दिन हमले होते रहते हैं। इससे पहले 2018 में राष्ट्रपति अशरफ गनी से मुलाकात करने जा रहे हिंदुओं और सिखों के काफिले पर आत्मघाती हमला हुआ था। इसमें 19 सिख और हिंदू मारे गए थे। मृतकों में देश के प्रसिद्ध राजनेता अवतार सिंह खालसा भी थे। उस हमले की जिम्मेदारी भी आइएस ने ली थी। इन हमलों से सिख और हिंदू समुदाय भयभीत है। बड़ी संख्या में सिखों और हिंदुओं ने देश छोड़ने का फैसला कर लिया है।

सिख धर्मस्थलों पर हमला कायराना हरकत है। पीड़ित परिवारों के प्रति मैं संवेदना व्यक्त करता हूं।
–हामिद करजई, पूर्व राष्ट्रपति

ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स भी कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

- पत्नी कैमिला को संक्रमण नहीं, स्कॉटलैंड में आइसोलेशन में रह रहे हैं

लंदन, रायटर : ब्रिटेन के प्रिंस चार्ल्स भी जांच में कोरोना वायरस से संक्रमित मिले हैं। उनका स्वास्थ्य अच्छा है और अब वह स्कॉटलैंड में आइसोलेशन में रह रहे हैं। हालांकि उनकी पत्नी कैमिला को संक्रमण नहीं है।

लंदन स्थित शाही आवास क्लेरेंस हाउस के मुताबिक, महारानी एलिजाबेथ के सबसे बड़े पुत्र चार्ल्स में कोरोना वायरस के हलके लक्षण दिखाई दिए हैं और वह स्कॉटलैंड स्थित अपने बिर्कहॉल रेजीडेंस से काम कर रहे हैं। शाही सूत्रों ने बताया कि प्रिंस चार्ल्स की जांच सोमवार को की गई थी, लेकिन जांच रिपोर्ट मंगलवार को आई। उन्हें सलाह दी गई है कि उनकी स्थिति गंभीर हो सकती है। जांच रिपोर्ट आने के बाद प्रिंस चार्ल्स ने महारानी एलिजाबेथ के अलावा अपने बच्चों प्रिंस विलियम और हैरी से बातचीत भी की। क्लेरेंस हाउस का कहना है, 'यह पता कर पाना संभव नहीं है कि प्रिंस चार्ल्स किस व्यक्ति के कारण संक्रमित हुए हैं क्योंकि पिछले हफ्तों में उन्होंने अपनी सार्वजनिक भूमिका के दौरान कई लोगों से मुलाकात की थी।'

बकिंघम पैलेस के मुताबिक, महारानी एलिजाबेथ इन दिनों विंडसर कैसल में पति फिलिप के साथ हैं और वह भी स्वस्थ हैं। महारानी ने प्रिंस चार्ल्स से 12 मार्च की सुबह मुलाकात की थी।

प्रिंस चार्ल्स। फाइल

कोरोना के सफाये के लिए पोप ने की विशेष प्रार्थना

वेटिकन सिटी, रायटर : ईसाई समुदाय के सर्वोच्च धर्मगुरु पोप फ्रांसिस ने कोरोना के सफाये के लिए दुनिया भर के ईसाइयों के साथ बुधवार को विशेष प्रार्थना की। द लार्ड्स प्रेयर नामक इस प्रार्थना के बाद पोप ने रविवार को दोपहर 12.00 बजे (स्थानीय समयानुसार) अवर फादर नामक प्रार्थना करने के लिए ईसाई धर्म गुरुओं व मतावलंबियों को आमंत्रित किया है।

उन्होंने कहा कि कोरोना की महामारी संपूर्ण मानवता की बहुत कठिन परीक्षा ले रही है। ऐसे मुश्किल वक्त में हम सबकी रक्षा के लिए ईश्वर की प्रार्थना करेंगे। सभी देशों और परंपराओं और विविध भाषाएं बोलने वाले सभी ईसाई मिलकर यह प्रार्थना करेंगे। उन्होंने कहा कि यह प्रार्थना महामारी से जूझ रहे लोगों के साथ उनका इलाज कर रहे मेडिकल स्टाफ, पुलिस प्रशासन और स्वयंसेवियों के लिए भी होगी। विश्व में इस समय करीब 2.3 अरब ईसाई हैं जिनमें 1.3 अरब रोमन कैथोलिक हैं। पोप ने बुधवार की प्रार्थना वेटिकन के अंदर लाइब्रेरी से की।

वैश्विक कूटनीति पर भी दिखने लगा कोरोना का असर

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कोरोना पर आज समूह-20 की बैठक, पीएम मोदी भी करेंगे शिरकत
- अमेरिका और चीन के बीच तनाव और बढ़ने के संकेत

नोवल कोरोना वायरस को लेकर वैश्विक कूटनीतिक सरगर्मी बढ़ने लगी है। एक तरफ अमेरिका और चीन के बीच इसको लेकर आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो चुका है, वहीं यूरोपीय संघ के देशों के बीच भी ना सिर्फ आपसी स्तर पर सामंजस्य बिगड़ता दिख रहा है बल्कि चीन को लेकर वहां भी एक तरह का गुस्सा सामने आने लगा है। ऐसे में गुरुवार को समूह-20 देशों के नेताओं की वर्चुअल मीटिंग पर सभी की नजर है। धीरे-धीरे लगभग पूरी दुनिया को अपनी जद में ले चुके इस वायरस को लेकर किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह राष्ट्र प्रमुखों की पहली वैश्विक बैठक है। बढ़ते तनाव की इस स्थिति में भारत के लिए भी अपने वैश्विक हितों को सुरक्षित करने की चुनौती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी गुरुवार को इस शिखर बैठक में सम्मिलित होंगे।

मोदी ने भारत में संपूर्ण लॉकडाउन के पहले दिन बुधवार को ट्वीट करके बताया कि उन्हें कोविड-19 के खिलाफ मुहिम पर होने वाली जी-20 की शिखर बैठक को लेकर खासी उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि इस वैश्विक महामारी से निपटने में जी-20 देशों की अहम भूमिका हो सकती है। उन्होंने कहा कि यह बैठक इस बीमारी के खात्मे के लिए एक कार्ययोजना बनाने को लेकर हो रही है।

भारत भी बदलते हालात पर अपनी नजर रखे हुए है। पिछले दो हफ्तों में मोदी ० जहां दुनिया के कुछ प्रमुख वैश्विक नेताओं से टेलीफोन पर बात की है, वहीं विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी अपने समकक्षों के साथ संपर्क में हैं। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि भारत की पहली वरीयता दूसरे देशों में रहने वाले अपने नागरिकों को सुरक्षित स्वदेश लाना या जहां वे रह रहे हैं उन्हें सुरक्षा मुहैया कराना है। समूह-20 देशों के प्रमुखों की गुरुवार को होने वाली बैठक में भारत इस बीमारी से लड़ने को लेकर अपने कुछ नए विचार पेश करेगा।

संयुक्त राष्ट्र ने नहीं की है अब तक कोई बैठक : इस बीमारी से अभी तक 19 हजार से ज्यादा जानें जा चुकी हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने अभी तक इस पर कोई बैठक नहीं बुलाई है। इसके पीछे वजह यह मानी जा रहा है कि चीन अभी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का अध्यक्ष है। यूएनएससी में पांच स्थायी सदस्यों के अलावा 10 अस्थायी सदस्य होते हैं और इनमें से हर सदस्य को एक-एक महीने के लिए प्रमुख बनाया जाता है तो आपातकालीन बैठक आदि बनाने का प्रस्ताव करता है। चीन आधिकारिक तौर पर साफ कर चुका है कि हालात ऐसे नहीं है कि इस पर बैठक बुलाई जाए। सनद रहे कि यूएन की ही स्वास्थ्य इकाई विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने जिस तरह से कोरोनाा को लेकर लचर प्रतिक्रिया दिखाई है उसकी भी आलोचना की जा रही है। आरोप लगाया जा रहा है कि डब्ल्यूएचओ ने समय पर चीन में उत्पन्न इस वायरस को लेकर दुनिया को सतर्क नहीं किया।

'चीनी वायरस' पर अमेरिका सहित कई देश हैं नाराज : अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अलावा वहां के कई वरिष्ठ राजनयिकों ने भी चीन को कठघरे में खड़ा करना शुरू कर दिया है। ट्रंप ने इस वायरस को 'चीनी वायरस' कह कर अपनी मंशा साफ कर दी है कि अमेरिका आने वाले दिनों में इस वायरस को लेकर चीन के प्रति उनका रवैया और सख्त होगा। दूसरी तरफ, यूरोपीय संघ के विदेश मामलों व सुरक्षा नीतियों के मंत्री जे बी फोंटेल्स ने भी चीन की नीति पर सवाल उठा दिया है। उन्होंने सीधे तौर पर कोरोना वायरस से जुड़ी सूचना को छिपाने का भी आरोप लगाया है और कहा है कि अभी चीन की तरफ से दुनिया के कई देशों को चिकित्सा उपकरण दे कर यह साबित करने की कोशिश की जता रही है कि वह अमेरिका से विपरीत एक उत्तरदायी देश है व मदद करने को तैयार है।

सऊदी किंग सलमान करेंगे जी-20 की अध्यक्षता : सऊदी अरब के किंग सलमान गुरुवार को होने वाली जी-20 देशों के नेताओं के ऑनलाइन शिखर सम्मलेन की अध्यक्षता करेंगे। रियाद की ओर से बुधवार को जारी बयान में कहा गया, 'महामारी से मानवीय और आर्थिक हालात बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। विभिन्न देशों द्वारा इससे निपटने के किए जा रहे वैश्विक प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए यह शिखर सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे।' सम्मेलन में जी-20 सदस्य देशों सहित महामारी से प्रभावित देश स्पेन, जार्डन, सिंगापुर और स्विटजरलैंड भी हिस्सा लेंगे। इसके अलावा कई अन्य वैश्विक संगठन जैसे संयुक्त राष्ट्र, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विश्व व्यापार संगठन के प्रतिनिधि भी भाग लेंगे।

खशोगी हत्याकांड में तुर्की ने सऊदी के 20 लोगों को बनाया आरोपी

इस्तांबुल, एएफपी : पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या के मामले में तुर्की ने 20 लोगों को आरोपी बनाया है। इनमें सऊदी अरब के युवराज मुहम्मद बिन सलमान दो पूर्व सहायक भी शामिल हैं। खशोगी की हत्या 2018 में तुर्की के इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के वाणिज्य दूतावास में हुई थी।

मामले की जांच और कानूनी प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए तुर्की की एजेंसियों ने सऊदी अरब के उप खुफिया प्रमुख अहमद अल असीरी और शाही दरबार के मीडिया प्रमुख सऊद अल कहतानी को भी आरोपी बनाया है। बताया गया है कि इन्हीं दोनों ने मारक दस्ते को तुर्की जाकर खशोगी की हत्या का हुक्म दिया। खशोगी (59) की जिस समय हत्या हुई थी उस समय वह तुर्की मूल की हैटिस सेंगिज के साथ शादी की तैयारी कर रहे थे। खशोगी सऊदी अरब की शाही सत्ता के कटु आलोचक थे और उसके बारे में अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट में स्तंभ लिखते रहते थे। सऊदी अरब के 15 सदस्यीय मारक दस्ते ने इस्तांबुल स्थित वाणिज्य दूतावास में खशोगी के शरीर के टुकड़े कर दिए थे, जो कभी नहीं मिले। इसके बाद मारक दस्ता वापस सऊदी अरब लौट गया। तुर्की की जांच एजेंसियों ने वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों से कई बार सहयोग की अपील की लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

सऊदी अरब ने इस पूरी वाकये को कुछ लोगों की कपटपूर्ण कार्रवाई बताया है। लेकिन अमेरिकी खुफिया संगठन सीआइए, संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत और तुर्की की एजेंसियों ने इस हत्या में सऊदी युवराज मुहम्मद को जुड़ा हुआ बताया है। सऊदी की शाही सत्ता ने इस आरोप को गलत बताया है। सऊदी अरब ने इस मामले में जांच भी कराई और उसने कुछ लोगों को दंडित भी किया है। लेकिन सऊदी की असहमति के बावजूद तुर्की ने भी मामले की अलग जांच कराई और अब उसने 20 लोगों को आरोपित किया है।